



वि

ज्ञान की निरंतर प्रगति और अकल्पनीय अनुसंधान से समूचा विश्व तेजी से बदल रहा है। आवादी की चुनौतियों के बीच घटती प्रजनन और घटती जन्म दर जैसी समस्याएं आधुनिक विज्ञान से टकर लेने के लिए तैयार हैं। ऐसी हालत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को एक संभावित समाधान के रूप में देखा जा रहा है। अब सबाल खड़ा होने लगा है कि क्या रोबोट सचमुच हमारे परिवार का हिस्सा बन सकते हैं? स्ट्रीड्रोम के उमेरों विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं एवं ऑरिजिनल विज्ञान के परियोजना के माध्यम से इस प्रश्न का समाधान ढूँढ़ने में लगे हैं। अमेरिका से प्रकाशित होने वाली साइंस डिली नामक पत्रिका में प्रकाशित पेपर में डॉ. बेरिट आंस्ट्रोम ने लिखा है कि यह परियोजना इस बात की जांच करने में लगी है कि कलाविजन कथाओं जैसे विज्ञान कहानियों और फिल्मों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात् एआई को किस प्रकार बताया और समझाया गया है, ताकि यह समझा जा सके कि क्या इसके रूप में ऐसी दुनिया अपने जीवन या परिवार के हिस्से के रूप में

## सम्पादकीय

### रोबोट हमारे परिवार का हिस्सा बन सकते हैं?

के कल्पना कर सकते हैं, जहां रोबोट परिवार का हिस्सा बन सके। डॉ. बेरिट आंस्ट्रोम ने यह भी लिखा है कि यह परियोजना सिर्फ रोबोट और एआई के बारे में नहीं कार्य कर रही है, बल्कि परिवार और रिश्तों को कैसे बेहतर ढंग से सजाया, संवारा और चलाया जा सकता है, उसपर भी काम कर रही है।

डॉ. आंस्ट्रोम ने आगे लिखा है कि इसमें कोई दो राय नहीं हैं: जब हमारे धनिष्ठ परिवार से समाज का आधार बनते हैं तो जिसमें देखभाल की जिम्मेदारियों से लेकर जीवन में होने वाली तमाम नियन्त्रित करने की विधियों से लेकर जीवन की विधियों का प्रतिक्रिया देते हैं। उन्होंने आगे लिखा है कि जैसे-जैसे एआई हमारे दैनिक जीवन में जिसमें स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक देखभाल में अगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हम अधिक से अधिक इस पर भरोसा भी कर रहे हैं। यहां तक कि मानव और गैर-मानव (रोबोट)











